भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

दैनिक जागरण

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

स्थापना दिवस मेकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अध्ययन-अध्यापन के लिए सन् 1919 में हुई थी बेंको की स्थापना

बेंको, टेक्नो, मिनमेट, आइटी अब आइआइटी

वाराणसी: पूज्य महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने सन 1919 में बेंको की स्थापना मेकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अध्ययन-अध्यापन प्रारंभ कर किया। सन 1921 में उन्होंने ने इंडस्ट्रीयल केमिस्ट्री, सिलिकेट टेक्नोलॉजी तथा फार्मेसी की शिक्षा देने के लिए कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना की तथा 1923 में अप्लाईड जीओलोजी तथा मेटलर्जी की पढ़ाई लिए कॉलेज ऑफ माइनिंग-मेटलर्जी की स्थापना की। कुछ समय पश्चात अप्लाईड जीओलोजी का पाठ्यक्रम माइनिंग इंजीनियरिंग में परिवर्तित कर दिया गया। पहले इंजीनियरिंग के सभी डिग्री बीएससी (इंजीनियरिंग ब्रांच के नाम के साथ) की उपाधि दी जाती थी।

प्रो. एसएन उपाध्याय

सन 1969 में तीनों कालेजों को एक साथ मिलाकर आइटी (बीएचयू) बना दिया गया तथा प्रवेश जेई द्वारा किया जाने लगा। आइटी (बीएचयू) को सन 2012 में आइआइटी (बीएचयू) वाराणसी के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। साथ ही सुविधाएं भी बढ़ा दी गई। स्वतंत्रता के बहुत बाद तक केवल फार्मेसी को छोड़कर इंजीनियरिंग की पढ़ाई में लड़कियां नहीं आती थी। बेंको, टेक्नो तथा मिन मेट में पहले एमटेक की पढ़ाई नहीं होती थी। पीएचडी पर भी उतना जोर नहीं था। सन 1960-61 से इस पर ध्यान दिया जाने लगा। अध्यापकों के पद पहले भी खाली रहते थे और अब भी खाली हैं। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर चिंतन आवश्यक है। दूसरे देशों के विद्यार्थी तथा अध्यापक पढ़ने-पढ़ाने के लिए कैसे अधिक संख्या में आएं इस पर भी विचार किया जाना चाहिए। साथ ही अध्यापकों के लिए आवास एवं विद्यार्थियों के लिए हास्टल की भी माकूल व्यवस्था करनी होगी। मालवीय जी के समय से लेकर आइटी बीएचयू बनाने तक फीस अत्यंत कम होती थी। उस सयम 120 रुपये प्रतिवर्ष फीस थी जो अब बढ़ कर लाख रुपये तक पहुंच गई है। इससे गरीब घरों के विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं। शताब्दी वर्ष में पुस्तकालय, छात्रावास, प्रयोगशाला, आवास आदि की सुविधा बढ़ाने पर विचार किया जाना उचित होगा।

(लेखक आइटी, बीएचयू के पूर्व निदेशक हैं।)

आइआइटी शताब्दी समारोह का आगाज आज

जागरण संवाददाता, वाराणसी : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू के शताब्दी समारोह का आगाज आज हो होगा। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसके लिए स्वतंत्रता भवन में समारोह आयोजन किया गया है। उनका कार्यक्रम सुबह 10 से 11 बजे तक होगा। योगी वहां पर भावी इंजीनियरें, देश-विदेश से आए पुरातन छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को संबोधित करेंगे। समारोह के दौरान संस्थान के सभी विभाग की ओर से इतिहास, उपलब्धियां व विशेष मॉडल का प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल का भी अवलोकन करेंगे। नौ से 12 फरवरी तक आयोजित चार दिवसीय समारोह में पूरे विश्व से लगभग 300 पुरातन छात्र अपने परिवार संग शिरकत करेंगे। 10 फरवरी को ओडिशी नृत्यांगना सुजाता मोहपात्रा एवं शास्त्रीय संगीत गायक संजीव अभयंकर अपनी प्रस्तुति देंगे। शताब्दी समारोह का का समापन 11 को होगा। इसके मुख्य अतिथि केंद्रीय रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा होंगे।

बीएचयू मे स्वतंत्रता भवन में सुरक्षा का जायजा लेती एनएसजी की टीम